

मेरा हैदराबाद

धैर्य रखिये कभी
कभी आपको जीवन
में अच्छा पाने के
लिये सबसे बुरे दौर
से गुजरना पड़ता
है..

सम्मका-सरलम्पा महा जतरा के लिए मंत्रियों ने की बैठक



हैदराबाद, 9, जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेडी, पोत्रम् प्रभाकर, सीतार, और कोडा सुरेखा ने राज्य के मुख्य सचिव के साथ आज एमसीआरएचआरडी में आयोजित उच्च स्तरीय अधिकारियों की बैठक में श्री सम्मका, सरलम्पा महा जतरा

2024 की व्यवस्था और प्रबंधन की समीक्षा की। इस बार राज्य सरकार ने मेले की व्यवस्थाओं के बास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

मेले में अनेक वाले श्रद्धालु निश्चित होंगे।

जोनल कमिश्नर से होटल का ट्रेड लाइसेंस रद्द करने की मांग



हैदराबाद, 9, जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खेरताबाद में एचएसएस दोरे से मुलाकात कर गोशामहल बीआरएस नेता एम. अनंद कुमार गोड़ ने उनका घ्यान आकृष्ट कराया कि गत 31 दिसंबर की आधी गत को एबिडॉग्रांड होटल में होटल कर्मचारियों द्वारा महिलाओं पर हमला करने की घटना में अधिकारियों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने जोनल कमिश्नर से होटल का पार्किंग, फूड लाइसेंस और ट्रेड लाइसेंस रद्द करने को कहा। उन्होंने सकारात्मक जवाब दिया और कहा कि कार्रवाई की जायेगी।

उन्होंने होटल के पार्किंग परमिट दिये जाने तक होटल को सीज करने का आनुरोध किया। उन्होंने कहा कि वह इस मामले पर जोचएमसी कमिश्नर और पुलिस अधिकारियों से शिकायत करें। उन्होंने कहा कि होटल के पास

कोई अनुमति नहीं है और समय का पालन नहीं किया जा रहा है।

अनंद कुमार गोड़ ने साफ कर दिया कि जब तक इस होटल के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी तब तक वह बीआरएस पार्टी की तरफ से लड़ाई लड़ेगा।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंध अरुण कुमार जैन ने मंगलवार का डॉ. वी.आर. अमेडेकर लेन्डिंग सचिवालय में मुख्यमंत्री ए. रेवत रेडी से शिशाचार मुलाकात की।

हृत्य के मामले में शख्स को उम्रकैद की सजा

निर्मल, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोर्ट ने हृत्य के मामले में शख्स को उम्रकैद की सजा सुनाई है। मामले की विस्तृत जानकारी अनुसार गेम्बी मंडल कोलानगुड़ा के चिकटी चिन्ना गंगाराम (55) और टकम तुकाराम (45) के बीच पिछले कुछ दिनों से डाका चल रहा था, लेकिन टकम तुकाराम 2018 के गंगाराम अपनी कृषि भूमि पर कान खस्त करके शाम 6 बजे घर आ रहा था। गंगाराम की हृत्य करने के इशारे से जब छोटा गंगाराम टकमलकाम में दौटे गंगाराम ने जब लड़ाई रोकने की काशिश की तो टेकुम तुकाराम ने छोटे गंगाराम की गर्म पर कुल्हाड़ी से वार कर हृत्य कर दी। मुक्त के बेटे गम रवि (32) की शिकायत पर तक्तालिन घेंवी प्लाएसआई के सामाला दर्द के आगे की जाच के लिए सीआई खानपुर अशोक के मामला रोपाया था। वहीं, प्रवक्षदर्शियों के बास यात्रा तक सभी काम पूरे कर दिये जाएं। उन्होंने कहा कि व्यवस्था की सजा सुनाई।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के दर्शन करें और वेलेंग का आयोजन करें तथा निःशुल्क बस सविधि मिलने से वास यात्रा में आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सख्ती में बढ़ाती होने की संभावना है। बिना किसी असविधि के व्यवस्था की जानी चाहिए।

अम्मावर के

बांग्लादेश के चुनावी नतीजे

बांगलादेश में हुए ताजा चुनावों के दौरान कम मतदान और विपक्षी दलों की लगभग अनुपस्थिति को देखते हुए नतीजे बिल्कुल आकलन और उम्मीद के मुताबिक आए। इसमें अवामी लीग पार्टी को भारी जीत मिली और एक बार फिर शेष हसीना के नेतृत्व में बांगलादेश में नई सरकार का गठन होना तय है। यानी कहा जा सकता है कि चुनावों से पहले ही उपजी अलग-अलग परिस्थितियों के बीच शेष हसीना और उनकी पार्टी के लिए एक तरह से अनुकूल स्थिति थी और उनके सामने राजनीतिक चुनौती न के बराबर थी। मगर अब देखने की बात होगी कि खाली मैदान में हासिल चुनावी जीत के बाद बनने वाली सरकार और शासन-तंत्र में लोकतंत्र कितना सुरक्षित रह पाएगा। गैरतलब है कि रविवार को हुए चुनावों में शुरू में बहुत कम यानी 27.15 फीसद मतदान हुआ, मगर बाद में यह आंकड़ा चालीस फीसद तक पहुंच गया, जिस पर सवाल भी उठे। इसके बावजूद कहा जा सकता है कि वहां विपक्षी दलों के चुनावी बहिष्कार के आह्वान का खासा प्रभाव पड़ा। यह बेवजह नहीं है कि चुनाव के मैदान में लगभग एकतरफा लड़ाई और जीत के बाद सबसे ज्यादा इस बात को लेकर चिंता जताई जा रही है कि वहां लोकतंत्र का भविष्य क्या रहेगा। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी के साथ-साथ पंद्रह अन्य राजनीतिक दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। इस बीच चुनावों से पहले ही शेष हसीना सरकार ने बड़ी संख्या में कई प्रतिद्वंद्वी नेताओं और उनके समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया था, जिसकी तीखी निंदा हुई थी। ऐसी स्थिति में हुए चुनावों में अगर अवामी लीग पार्टी को तीन सौ सीटें वाली संसद में दो सौ तेर्इस सीटें मिलीं, तो इसे अनुकूल विसात पर मिली जीत कहा जा सकता है। नतीजों के बाद संसद में मुख्य विपक्षी दल जातीय पार्टी को ग्यारह और बांगलादेश कल्याण पार्टी को एक सीट पर जीत मिली, जबकि बासठ निर्दलीय उम्मीदवारों को विजय मिली। नई संसद में अब जनाधारी दल को संभवा के

पांच विजय निलामी। इस संसद में जब सत्ताधार दल का संघर्ष करने वाली भूमिका मुतुबिक जो हैसियत मिलेगी, उसमें संसद में होने वाली बहसों से लेकर नीतिगत निर्णयों के मामले में विपक्ष की आवाज को कितनी जगह मिलेगी, यह समझना मुश्किल नहीं है। इस लिहाज से, बांग्लादेश में अगर इस बात की आशंका जताई जा रही है कि अवामी लीग की जीत के बाद वहां एक पार्टी के शासन वाली व्यवस्था स्थापित हो सकती है, तो यह बेवजह नहीं है। यो किसी भी शासन में अगर विपक्ष और उसके नेताओं के सवालों के लिए जगह सिमटती है, तो इससे वहां लोकतंत्र का हनन होता है। हालांकि देश की आर्थिक स्थिति में सुधार के मामलों में शेख हसीना के हिस्से कुछ कामयाबियां जरूर दर्ज हैं। बीते एक दशक के दौरान आर्थिक मोर्चे पर सुधार की बदौलत बांग्लादेश में प्रतिव्यक्ति आय में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई और काफी तादाद में लोग गरीबी से बाहर निकले। मगर फिलहाल महंगाई से लेकर कर्ज तक के मामले में देश की तस्वीर काफी बिगड़ी है। जाहिर है, अवामी लीग पार्टी और उसकी नेता शेख हसीना बांग्लादेश में लोकतंत्र को लेकर जताई जाने वाली आशंका को निराधार सांवित करना चाहती हैं, तो उन्हें राजनीतिक-आर्थिक से लेकर जनहित के मोर्चों पर एक साथ काम करने होंगे। बांग्लादेश की सरकार को भारत का साथ मिलता रहा है, मगर इसका भविष्य शायद इस बात पर निर्भर करेगा कि वहां की सरकार देश में लोकतंत्र सुनिश्चित करने को लेकर कितनी गंभीर रहती है।

सदी का चौथा बंदर



रेखा शाह आरबी

। लेकिन गांधी जी के बंदरों की बात ही कुछ और है। जितनी ख्याति गांधी जी के बंदरों को प्राप्त है। उतनी अगर किसी इंसान को मिल जाए तो उसका तो बैठे बिठाये दिमाग ही खरबाहो जाए। इंसान की तो बात ही अलग है उसे तो बीमारी है हर छोटी-छोटी बात पर अहंकार में भर जाने की। लेकिन गांधी जी के बंदर इंसान थोड़ी ना है वह जानते हैं जब तक वह कुछ देख सुन नहीं रहे.. बोल नहीं रहे हैं। तभी तक उनकी जय जयकार है। देखना सुनना बोलना चालू कर दिए तो तो लोगों के द्वारा नकार दिए जाएंगे और उनकी जगह पर कोई तुरंत दूसरा आकर काबिज हो जाएगा। इसीलिए गांधी जी के बंदर सोची समझी रणनीति के तहत ना कुछ बोलते हैं ना सुनते हैं ना देखते हैं। अपने देश में ऐसे बंदरों की बहुतायत है। गांधी जी का महत्व बंदरा कहना

गावा जा का पहला बंदर कहा है बुरा मत देखो.. अब बताइए भला यह भी कोई मानने वाली बात है। आप कहीं पर सत्यनारायण की कथा कहवा दीजिए देखिए उसमें कितने लोग बिना बुलाए आते हैं और कुछ तो इतने बंदर होते हैं कि बुलाने पर भी नहीं आते हैं। लेकिन वही कहीं पर मारपीट हो रही है तो वहां पर लोगों की संख्या देख लीजिए.. और सारे बिना बुलाए आते हैं। उसके बाद भी यह कहना कि बुरा मत देखो काफी असंगत बात है। तो गांधी जी का पहला बंदर तो इस दुनिया के लिए किसी काम का नहीं है। गांधी जी का दूसरा बंदर कहता है बुरा मत सुनो.. सुनना बहुत ही उच्च कोटि का कार्य है और आज की पीढ़ी इतने उच्च



जस - जस 2024
लोकसभा चुनाव
नजदीक आ रहे हैं, वैसे
- वैसे मुख्यमंत्री
नीतीश कुमार कर्मा
मशिकलें बढ़ती जा रही
हैं। उन्हें कई मोर्चों पर
लड़ना पढ़ रहा है जैसे

अशोक भाटिया है। उन्ह कई माचा पर लड़ना पढ़ रहा है जैसे

हा, अहकार का असर हा ने किसा भा बात को हल्के में उड़ा देते हैं। नीतीश कुमार के किसी भी वक्तव्य को आप देखेंगे, वह मंच पर खड़े होकर अपने अफसरों की खिल्ली उड़ाते हैं। पीके ने कहा, वो राष्ट्रपति के सामने खड़े होकर जो वक्तव्य दे रहे थे, जिसमें उन्होंने भाजपा वालों को कहा कि आप सब मेरे दोस्त ही हैं। इस पर काफी विवाद भी हुआ। आप उस भाषण को सुनिए, राष्ट्रपति के सामने एक औपचारिक कार्यक्रम में जिस तरह से वह भाषण दे रहे हैं, उससे ऐसा लग रहा है कि वह अपने घर में भूजा खाते हुए लोगों से बात कर रहे हैं। कहीं न कहीं ये उनकी उम्र का असर है और कहीं थोड़ा बहुत अहंकार भी है। प्रशांत किशोर ने कहा कि किसी भी कार्यक्रम में, किसी भी बात को सीरियस न लेते हुए हल्के में उड़ा देना उनकी आदत हो गई है। नीतीश कुमार का तकिया कलाम है कि- 'अरे इसको कुछ आता है'। अरे भाई! किसी को कुछ नहीं आता है, आपको तो आता है। आप इस राज्य के मुखिया हैं, आप इसे सुधारिए। अगर आप ही को सबकुछ आता है तो बिहार सबसे गरीब और पिछड़ा राज्य क्यों है? प्रशांत किशोर ने कहा था कि नीतीश कुमार पढ़े-लिखे, बहुत होशियार व्यक्ति हैं लेकिन सिर्फ वे ही बिहार के एक मात्र पढ़े-लिखे व्यक्ति नहीं हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि शास्त्रों में ऐसा कहा गया है कि जो राजा लोगों से विचार-विमर्श और सलाह लेना बंद कर देता है, उसका पतन जल्द हो जाता है। इसी तरह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राजनीतिक रूप से अंत करीब आ गया है। इसके अलावा पीके ने बिहार सरकार का आर से जारा आयक सवक्षण का लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कभी-कभी जब दिन खराब होता है तो आप सोचकर अच्छा भी करने जाइएगा तो उल्टा ही होगा। नीतीश कुमार ने अपने राजनीतिक फायदे को सोचकर आर्थिक सर्वेक्षण जारी किया लेकिन राजनीतिक तौर पर नुकसान हो रहा है। इसी को कहते हैं गोबर को उठाकर मुँह पर लगाना। प्रशांत किशोर ने कहा कि 32 साल से सत्ता पर काविज लालू यादव और नीतीश कुमार ने वर्चितों के हक की हकमारी की है। पीके ने कहा कि अभी सरकार ने जातीय जनगणना से जोड़कर जो आर्थिक सर्वेक्षण जारी किया, उसी आंकड़े को देखिए तो पता चलता है कि 20 फीसदी बिहार के लोग झोपड़ी में रहते हैं। उनके पास अपना घर नहीं है। आप तो गोबर मुँह पर लगा रहे हैं कि 32 साल से सरकार चलाने के बाद कह रहे हैं 20 फीसदी लोगों के पास घर नहीं है या झोपड़ी में रह रहे हैं। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि सर्वेक्षण बता रहा है कि 80 फीसदी बिहार के लोग दिनभर में 100 रुपए भी नहीं कमाते हैं। ये 32 सालों के लालू-नीतीश राज का असर है। उसी का ये परिणाम है। जहां तक सामाजिक भागीदारी की बात है तो लोग कह रहे हैं कि समाज में एक बहुत बड़ा वर्ग है जिसको भागीदारी नहीं मिली और जिसे वंचित रखा गया। उसके नाम पर हल्ला मचा रहे हैं लेकिन कोई ये पूछने वाला नहीं है कि 32 सालों से सत्ता में बैठे कौन लोग हैं? प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि अगर किसी ने हकमारी की है तो लालू यादव और नीतीश कुमार ने हकमारा का ह। बिहार में अगर वाचत समाज के, अति पिछड़ा समाज के, दलितों को, मुसलमानों को अगर जगह नहीं मिली तो ये जगह लालू और नीतीश ने नहीं दी है। आज यही लोग अपने राजनीतिक लाभ के लिए फिर इन लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। इस समय नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन का संयोजक बनाए जाने की चर्चा जोर शोर से चल रही है। नीतीश कुमार के समर्थकों के साथ राजद और कांग्रेस के कुछ नेता भी उन्हें इस पद के लिए सबसे योग्य बता रहे हैं। इस पर जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की प्रतिक्रिया समने आई है।

पीके ने बिहार मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि लोग जबरदस्ती नीतीश कुमार को इतना बड़ा नेता बताते हैं। लग रहा है कि इन्होंने सं ही देश की राजनीति चल रही है। दरअसल नीतीश कुमार की राजनीति का यह अंतिम दौर है। नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं और इसी नजरिए से उनकी चर्चा होती है। प्रशांत ने डिप्टी मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी आड़े हाथों लिया। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार को पक्ष या विपक्ष में कोई नहीं पूछ रहा है। जब नीतीश कुमार एनडीए में थे तो भाजपा ने इन्हें बुलाकर एक बार भी पूछा कि क्या करना है या नहीं करना है। भाजपा का साथ छोड़कर अब इंडिया गठबंधन में आए हैं तो यहां भी कोई नहीं पूछ रहा है। उन्होंने कहा कि पटना में जो इंडिया अलायंस की बैठक हुई तो उनके लोगों ने खूब शोर मचाया कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री के दावेदार हो गए और चेहरा हो गए। फिर जब पीएम कैंडिडेट नहीं बन पाए तो चचा हुई एक स्थानक बनाए जाएंगे लेकिन अभी तक उन्हें कुछ नहीं मिला। हालत यह है कि नीतीश कुमार को तो कोई पूछ भी नहीं रहा है। दरअसल में जन संवाद के दौरान प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन में सबसे बड़ा दल कांग्रेस है। उसके बाद दूसरा बड़ा दल टीएमसी और तीसरे नंबर पर डीएमके है। नीतीश कुमार इन सबकें बीच क्या ऐसा कर देंगे कि सबतोगे उनको मान लेंगे। नीतीश कुमार प्रशांत किशोर ने राजद के युवराज तेजस्वी को भी लपेटा। वह कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री देश का कौन होगा। दरअसल कोई पूछने वाला नहीं है कि आपके कितने सांसद हैं हालत यह है कि 543 सांसदों वाली लोकसभा में आरजेडी के जीरो सांसद हैं ऐसे लोग भी कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री कौन होगा, ये हम तय करेंगे। ये तो ऐसे हो गया कि हम यहां से बैठकर कहें कि अमेरिका का राष्ट्रपति कौन होगा। जब अपने ही मुंह से कहना है तो देश का प्रधानमंत्री ही क्यों, अमेरिका का राष्ट्रपति भी आप ही तय कर दीजिए। दरअसल आरजेडी के लोग बड़बोले हैं अपने 5 सांसद तो जिता लीजिए फिर तय होगा कि कौन प्रधानमंत्री बनेगा और कौन नहीं बनेगा। पीके ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद जदयू का संपूर्ण विघटन शुरू हो जाएगा। कुछ दिनों में नीतीश कुमार और उनकी पार्टी का दौरा खत्म हो जाएगा।

Digitized by srujanika@gmail.com

सुरक्षा बलों में बढ़ती कुंठा और पलायन का कौन है जिम्मेवार?



मनोज कुमार अधिकारी

खुनी संघर्ष हुआ था। समय के पार जवानों के साथ नवीय व्यवहार की खबरें रही हैं। ऐसा भी देखा गया कुछ युवा तो सिर्फ अपने बाहर की सेना की सेवा की तरह को निभाने या पारिवारिक जीवन के कारण सेना में भर्ती हो चुके हैं, लेकिन वास्तव में उनकी किसी और क्षेत्र में होती रही है में आई एक रिपोर्ट चौकाने वाली है। इस रिपोर्ट द्वारा यात्रा गया है कि बीते पांच वर्षों 2018 से 2022 तक 53,000 सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स द्वारा सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने नौकरी छोड़ दी है। 47,000 सैनिकों ने मर्जी से रिटर्न मेंट लिया है। वहाँ, 6,336 जवानों ने इस्तीफा दिया है। वहाँ, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने आत्महत्या कर ली। इस रिपोर्ट का आधार केंद्र सरकार द्वारा दिया गया है। संसद द्वारा दी गई जानकारी है। संसद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद ने बताया कि साल 2018 में 1940 जवानों ने, 2019 में 323, 2020 में 7,690, 2021 में 12,003 और 12,380 जवानों ने नौकरी छोड़ दी। उन्होंने जानकारी कांग्रेस संसद कम टैगोर के लिखित सवाल जवाब में दी। आंकड़ों के बिना, सीमा सुरक्षा बल के 553 जवानों ने नौकरी छोड़ी, जिनमें 21,692 ने रिटायरमेंट किया और 1861 ने नौकरी से छोड़ा दे दिया था। वहाँ, केंद्रीय पुलिस फोर्स के 13,640 जवानों ने नौकरी छोड़ दी। जिसमें 2027 में अपनी मर्जी से रिटर्न मेंट लिया और 613 ने छोड़ा दे दिया। असम राइफल्स 3,393 ने सर्विस छोड़ दी। 203 ने रिटायरमेंट लिया और नवानों ने दार्शनी ले दिया।

औद्योगिक सुरक्षा बल 51 जवानों ने नौकरी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा 2,868 जवानों ने पट लिया और 2,283 ने दे दिया। आंकड़ों के भारत-तिब्बत सीमा से 3,165 जवानों ने सेवा इनमें से 2,354 ऐच्छिक ले लिया और 811 ने दे दिया। जबकि सशस्त्र न के 2,434 जवानों ने डड़ दी, इनमें 1,746 ने से रिटायरमेंट लिया और इस्तीफा दे दिया। आपको के सुरक्षा बलों से नौकरी 5 आंकड़े हर साल बढ़ रहे 22 में 11,211 केंद्रीय पुलिस बल जवानों ने पट लिया और 1,169 ने दे दिया। 2021 में जवानों ने ऐच्छिक ले लिया और 1241 ने दे दिया। 2020 में जवानों ने मर्जी से पट लिया और 799 ने इस्तीफा दे दिया। 2019 में 08 जवानों ने मर्जी से ले लिया और 1,415 ने दे दिया। 2018 में केंद्रीय पुलिस बल के 9,228 ने रिटायरमेंट ले लिया। 12 जवानों ने नौकरी से दे दिया। पांच सालों में रिर्जव पुलिस बल के 230 जान दी। वहीं पांच साल इड करने वाले 658 में से केंद्रीय रिर्जव पुलिस 230 जवान, सीमा सुरक्षा 174, केंद्रीय औद्योगिक बल के 91, SSB के 65, तिब्बत सीमा बल के 51 सम राइफल्स के 47 थे। आंकड़ों के मुताबिक, 136, 2021 में 155, 142, 2019 में 129, 128 में 26, जवानों ने

**वैशिष्ट्यक स्तर पर मान-
सम्मान दिलाती है हिन्दी**



योगेश कुमार गोयल

आधुनिकता की ओर तेजी से अग्रसर कुछ भारतीय ही आज भले ही अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, समझते हों कि न्तु हिन्दी ऐसी भाषा भारतवासी को अब मान-सम्मान मायने में विश्व एवं सरल भाषा भाषा हिन्दी, जो नलिक अब दुनिया बोली जाती है। हिन्दी की बढ़ती बड़ा सकारात्मक आज विश्वभर में इश्वरी बोलते हैं और केसे सैकड़ों में हिन्दी पढ़ाई भर में हिन्दी के लिए वातावरण स्थानता हिन्दी को के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर द्वानाता के प्रचार-शक्ति माध्यम है। भर में 10 जनवरी हिन्दी सम्मेलन केया गया था, के 122 प्रतिनिधि वित्पश्चात् भारत के स, यूनाइटेड दाद, अमेरिका भी विश्व हिन्दी आयोजन किया की भाषाओं का वाली संस्था रा जब हिन्दी को किये देवी देवे कुछ समय पहले तक कुछ ब्लॉगों और हिन्दी की चंद वेबसाइटों तक ही सीमित था, अब हिन्दी अखबारों की वेबसाइटों ने करोड़ों नए हिन्दी पाठकों को अपने साथ जोड़कर हिन्दी को और समृद्ध तथा जन-जन की भाषा बनाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तकनीकी रूप से हिन्दी को और ज्यादा उन्नत, समृद्ध तथा आसान बनाने के लिए अब कई सॉफ्टवेयर भी हिन्दी के लिए बन रहे हैं। यह हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी की ताकत ही कही जाएगी कि इसके इतने ज्यादा उपयोगकर्ताओं के कारण ही अब भारत में बहुत सारी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां हिन्दी का भी उपयोग करने लगी हैं। हिन्दी की बढ़ती ताकत को महसूस करते हुए भारत में ई-कॉर्मस साइटें भी ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने के लिए हिन्दी में ही अपनी 'ए' लेकर आ रही है। हिन्दी इस समय देश की सबसे तेजी से बढ़ती भाषा है। अगर 2011 की जनगणना के आंकड़े देखें तो 2001 से 2011 के बीच हिन्दी बोलने वालों की संख्या में हमारे देश में करीब 10 करोड़ लोगों की बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2001 में जहां 41.03 फीसदी लोगों ने हिन्दी को अपनी मातृभाषा बताया था, वहीं 2011 में ऐसे लोगों की संख्या करीब 42 करोड़ के साथ 43.63 फीसदी दर्ज की गई और जिस प्रकार हिन्दी का चलन लगातार बढ़ रहा है, माना जाना चाहिए कि उसके बाद के करीब एक दशक में हिन्दी बोलने वालों की संख्या में कई करोड़ लोगों की बढ़ोतरी अवश्य हुई होगी। भारत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उसके दौरान हमारे यहां की भाषाओं पर ऐसी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विदेशी देशों की भाषाएँ आयी हुई हैं।



ੴ ਪ੍ਰਾਤਿਕਾਣ ਸਿੰਘ

शब्द है ! सुनते ही जीने-मरने डंडे डंडा जात एक डंडे दिख बद की क्रिया निय औ जब चारा औ तिरंगा रहा नहीं चत्र करने वाले इच्छा समाप्त हो जाती है। कंकतु पापी पेट नाम की भी एक विज कहाती है। इसके लिए हमें ऑस्थिक भोजन की आवश्यकता नहीं है। हमारे लिए नहीं, तिरंगे की सेहत के लिए। आजकल उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ी गिरावट आ गई है। उसे कसानों की पीठ पर बरसी नाठियों पर फहरने में बड़ा कष्ट भी रहा है। है तो तिरंगा ही। उसे कंसी न किसी लाठी पर फहरना भी पड़ेगा। आजादी का ममृतोत्सव जो चल रहा है ! डंडे और लाठी में अधिक अंतर नहीं है। दोनों नागनाथ और सौंपनाथ

ਮੈ-ਕੈਸੇ ਦੁ਷ਟਾਂਤ

उसका इस्तेमाल करने वाले परें बदलती हैं, नीयत नहीं। पर झंडे बदलने वाले देश में कब लाठी रूपी वेश्या बन है, पता ही नहीं चलता। बात तो माननी पड़ेगी कि झंडों के प्रति ईमानदारी ने के चक्कर में हमेशा अम होता रहता है। फहरने की क्रिया में डंडा और बरसने की में लाठी बनना उसकी ही है। हम शरीर से तिरंगा मन से नंगा बनते जा रहे हैं। क होना इसके विपरीत ए। गिरते किसानों के हाथों कटते हरित वनों के बीच। फहरने का प्रयास तो कर है, लेकिन उसका मन साथ दे रहा। लागता है अशोक को आईसीयू में भर्ती ना पड़ेगा। ऐसे आईसीयू में जहाँ सच में ऑक्सीजन मिलता हो। लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि क्या उसे अस्पताल में एक अदद विस्तर मिल पाएगा! मैं तो अशोक चक्र से कहता हूँ कि आजादी के अमृतोत्सव के अवसर पर फहराने वाले बड़े-बड़े हाथों से दोस्ती ही कर ले। किसे पता एक अदद विस्तर ही मिल जाए। हम सदियों से तन धोते आ रहे हैं। मन को धुले एक युग बीत गया। मन धुला होता तो भ्रष्टाचार, महंगाई, असिह्वा, भेदभाव, धर्म के नाम पर लड़ाई और बलात्कार के बैक्टिरिया और वायरस थोड़ी न हमारे देश में डेरा डाले रहते। ये तो इतने जिद्दी हैं कि वाटर कैनन की बौछारों और लाठीचार्जों से डरना तो दूर कोरोना जैसी लाखों बीमारियों के बाप तक को मसलकर रख देते

है। जिस शह में ये पलते हैं, वहाँ
खुराक ही ऐसी मिलती है कि
डरना, रोना, बिलखना, भागना
इनके डि.एन.ए. में ही नहीं
दिखता। इन सबके बीच कुछ
लोग बड़े ही अजीब होते हैं। पीठ
के पीछे हाथी गुजर जाए कोई
बात नहीं, लेकिन आँखों के
सामने मक्खी गुजर जाए तो रहा
नहीं जाता। ऐसे लोग आँखें
होकर भी अंधे होते हैं। और आए
दिन पूछ बैठते हैं कि बताओ
आजकल क्या चल रहा है? उन्हें
कैसे बताया जाए कि विकास की
तूती और बाहुबलियों की मूती
बोल रही है। नशे में धुत हत्यारे
सिगरेट का धुँआ उड़ा रहे हैं तो
कोई निरीह बेबस आदिवासी
युवक पर मूतकर स्वच्छ भारत
अभियान का प्रमोशन कर रहा
है। मूतने की यह तस्वीर
इक्कीसवीं सदी के भारत की
स्वच्छ भारत की सबसे बढ़िया
तस्वीर है।



वनवास के बोकौन से कष्ट थे जिसका जिक्र श्री राम ने मां जानकी से किया था



भगवान राम तो अंतर्यामी और नियती के हर

गूड़ रहस्यों को जानने वाले पराब्रह्म स्वरूप

माने जाते हैं। मां कैरबै के राजा दशरथ कि

आप्रह करने पर जब यह सुनिश्चित हुआ कि

श्री राम

ही 14 वर्ष के लिए वनवास जाएंगे।

तब मां सीता ने भी यह प्रण लिया था कि वह

भी प्रभु

श्री राम की वनवास यात्रा में साथ

जाएंगी। उन्होंने भी वन मार्ग की यात्रा में श्री

राम के साथ जाने की हठ लगा ली। प्रभु राम

भला कैसे अपनी प्राण लिये जानकी जी को

वन मार्ग में दुःखी देख सकते थे। वह अच्छे

से जानते थे कि एक वनवासी को किन पड़ावों

से गुरजाना पड़ता है और वहाँ किस प्रकार के

कष्ट और घोर दुःख हैं।

इसलिए उन्होंने मां सीता को वन मार्ग के

दुःखों का बूतात समझाते हुए उन्हें साथ

न चलने कि लिए। कहा। प्रभु राम ने मां सीता से

कहा कि आप राज लालों में रही है। 14 वर्ष

के वनवास में घोर दुःख के सिवा और कुछ

भी नहीं है।

पिता की आवाज के पालन करना

मेरा परम धर्म है। अब: अप इस वन के कट्टों

को जान लीजिए। आज हम आपको वालिम्की

रामायण के अयोध्या कांड के सर्ग 28 में श्री

राम द्वारा बताए गए वनवास के दुःखों का

वर्णन बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं प्रभु

राम ने 14 वर्षों के वनवास के कट्टों के बारे

में क्या कहा।

श्रीराम ने बताया था एक वनवासी का कष्ट

(वालिम्की रामायण अयोध्या कांड)

सीते यथा त्वा वक्ष्यामि तथा कार्यं वनम्।

प्रभु राम आगे कहते हैं कि वन के उन भीषण

जगलों के रसरों में कांटों वाली लताएं हैं,

जानी पशु आवाज से गर्जना करते रहते हैं।

वहाँ जल पैने के लिए ढूँढ़ा पड़ता है, वन के मार्ग में हर जाह घोर दुःख-संताप लिखरा

हुआ है।

अहोरात्रं च संतोषोऽस्तु गिरिनिर्दर्विवासिनाम।

सिंहानां निनदा दुःखाः श्रोतुं दुःखमतो वनम्।

पहाड़ों से गिरने वाले झारों की आवाज से वन की गुफाओं में रहने वाले शेर उन्हें सुनकर से जानते थे कि एक वनवासी को किन पड़ावों से गुरजाना पड़ता है और वहाँ किस प्रकार के कष्ट और घोर दुःख हैं।

इसलिए वन का मार्ग

दहाड़ने लग जाते हैं। उनकी यह गर्जना सुनना बड़ी दुःखदायी है। इसलिए वन का मार्ग कठिन है।

क्रीडमानाश्वर विश्रव्वा मतोः श्रुत्ये तथा मुगाः।

दृष्टव्वा समभिवर्तने सीते दुःखमतो वनम्॥

वन में कई सारे जगलों पशु मनुष्य को देखते ही उनको अपना शिका बनाने का प्रयास करते हैं।

एक वनवासी के लिए मन को वश में खेना पड़ता है और पेड़ों से गिरे हुए रुखे-सुखे फलों की भी भोजन रूप में खाकर दिन-रात धैर्य खाना पड़ता है। वहाँ घोर दुःख के सिवा कुछ भी नहीं है।

वन का निवास नहीं है इतना सरल

तथा कठिन है।

प्रभु राम आगे कहते हैं कि वन के अलावा भी लोग ही जानते हैं। आज हम आपको ऐसे ही एक प्रसाद के बारे में बताने जा रहे हैं। दरअसल मां सीता के हण के बाद वह लंका की अशोक वाटिका में दिन रात अपने रुधान्य श्री राम के विषय में दुःख-संताप में एक-एक पल कटाती थीं। रावण की लंका में अशोक वाटिका में उनकी फहरेदारी में रावण ने त्रिजटा नाम की राक्षसी को बैनात किया हुआ था। जो यीं तो एक राक्षसी पर्तु उसमें विवेक के साथ ही साथ मानव गुण भी थी।

त्रिजटा जम से असूरी थी लेकिन उसमें अपने

पिता विभीषण के कुछ गुण राम भक्ति के भी

थे और वह दुःख को समझती थी। त्रिजटा वहाँ की साथी राक्षसियों में से सबसे बड़ी थी। एक बार जब वह सोकर उठी तो उसने वहाँ रहने वाली राक्षसिनीयों से कहा कि अब वराण और इस लंका का अंत होने वाला है। मैंने साने एसा देखा है। कहीं न कहीं यह स्वन शास्त्र की ओर भी इंशाया करता है। आइए जानते हैं त्रिजटा ने अपने सपने के बारे में क्या बताया।

वालिम्की रामायण के सुंदरकांड के 27वें सर्ग में विजया के सपने का वर्णन

त्रिजटा विभीषण की पुरी यीं जो मां सीता की

पहरेदारी में रावण द्वारा नियुक्त की गई थी।

मनुष्य की आध्यात्मिक नींद

में लिखा है

‘दुर्जाज गुरजिएक,

दिडिस्टर्वर आफ माई स्लीपी’,

कौरी नींद तोड़ने वाले जार्ज

गुरजिएक को समर्पित।

थोड़े—से लोग हुए हैं जैमीन

पर, जो लोगों की नींद तोड़ने की

पागल यही चिल्लाकर कहते हैं। लेकिन अगर

कि हम पागल नहीं हैं, कोई

डाक्टर नहीं है, तो वहाँ

जार्ज को गांव के हर आदमी को पानी पड़ा। वह

पागलपन की कीमत पर भी पीना

पड़े, लेकिन वह जबूरी थी। यास

तो बुजानी पड़ेगी, चाहे पागल ही

क्यों न हो जाना पड़े। गांव के

लोग अपने को कब तक रोके,

उड़ने पानी पीया। सदा होते हैं

होते पूरा गांव पागल हो गया।

सप्ताह बहुत खुश था, उसकी

रातियां बहुत खुश थीं, महल में

गंत और संसीक्त का आयोजन हो

रहा था। उसके बजारी खुश हो

कि आवाज लाई कि भालू के घेर कर

आवाज लाई कि भालू होता है

कि राजा का दिमाग खराब हो

गया है। हम ऐसे पागल राजा को

सिंहासन पर बर्दशत नहीं कर

सकते। महल के ऊपर खड़े

होकर राजा ने देखा कि बचाव

का अब कोई उपयोग नहीं है। राजा

अपने बजारी से पूछे

कि आवाज क्या हो गया?

गांव ने बजारी को एक घोड़े

पर ले लिया। गांव के घोड़े

पर लोग बैठे रहे। गांव के

घोड़े ने बजारी को एक

घोड़े पर ले लिया। गांव के

घोड़े ने बजारी को एक

घोड़े पर ले लिया। गांव के

घोड़े ने बजारी को एक

घोड़े पर ले लिया। गांव के

घोड़े ने बजारी को एक

घोड़े पर ले लिया। गांव के

घोड़े ने बजारी को एक

घोड़े पर ले लिया। गांव के

घोड़े ने बजारी को एक

'सब हो जाएगा इत्मीनान से सांस लो, कहां जाना है, पंकज त्रिपाठी के अंदाज पर देसी गर्ल फिदा

बॉलीवुड में 'देसी गर्ल' के नाम से मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों छुट्टियों मना रही है। आए दिन वह अपने साशल मीडिया हैंडल से अपनी जिंदगी की झलक दिखाती रहती है। प्रियंका काम और घर दोनों में बैलेस्ट कैसे बनाकर खाली जाए। इस बीज को खाली जानती है। अपने निक और बी मालती के साथ उन्हें अक्सर ही स्पॉट किया जाता है। प्रियंका ने कई इंटरव्यू में भी बताया है कि परिवार के साथ समय बिताना उन्हें बेहद पसंद है। मंगलवार को 'सात खन माफ' अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से अभिनेता पंकज त्रिपाठी को एक बैडिंगो लिस्ट में डाला। अपने लोगों को बैडिंगो की है।

पंकज त्रिपाठी के जीने का अंदाज गत गया

'मैं अटल हूं' अभिनेता पंकज त्रिपाठी हमेशा जिंदगी को भरपूर जीने की बात करते हैं। उन्होंने कई मौकों पर खुलकर कहा भी है कि वे किसी भी रस का हिस्सा



statesman

नहीं है। मंगलवार को प्रियंका चोपड़ा ने उनके एक पुरुणे इंटरव्यू के विलिप्प को अपनी इंस्टाग्राम स्टारी में साझा किया। वे विलिप्प नीले सिंचान के शो 'स्लो' का हिस्सा है। जहां पंकज कहते हैं, 'मैं

प्रियंका को भी 'स्लो' जीना है परंद

प्रियंका चोपड़ा खुद भी जिंदगी को ठहर कर जीना चाहती है। पंकज त्रिपाठी की कहीं इन बातों में उन्हें बुद्धिमानी दिखाई देती है। पिछले दिनों प्रियंका ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'मेरा काम मेरा पूरा वर्ष है।' मैं एक मौं हूं पत्ते हैं और बीटी हूं। इस इंटरव्यू के बाद मैं अपनी मां के पास जाकर सकून से सो जाऊं।' प्रियंका का भी जिंदगी जीने का अंदाज पंकज त्रिपाठी से मिलता-जुलता हुआ है।

वर्क फ्रेंट पर पंकज और प्रियंका

पंकज त्रिपाठी को आने वाली फिल्मों की बात करें तो 'मैं अटल हूं' रिलीज को तैयार है। इस फिल्म के अलावा पंकज 'ज़ी 2' और 'मेट्रो' इन दिनों में भी दिखाई देंगे। वहाँ मीडिया रिपोर्टर्स की माने तो प्रियंका चोपड़ा भी दो अलग-अलग प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाली है। प्रियंका पिछले दिनों 'सिटाडेल' में नजर आई थीं।

गुलशन कुमार की बेटी खुशाली कुमार बॉलीवुड की कई फिल्मों में अपना जलवा दिखा चुकी है। लेकिन खुशाली कुमार की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास काम नहीं कर पाई। खुशाली कुमार अपने नजर बालूक में बनी रहती है। इसी के चलते खुशाली कुमार की तुलना उर्फी जावेद से भी की जाती है। तो चलिए एक नजर डालते हैं खुशाली कुमार की नई बॉलूड फोटोज पर, जो धमाल मचा रही है।

बॉलूक में नजर आई खुशाली कुमार

खुशाली कुमार अपनी बॉलूड लुक में नजर आ रही है। खुशाली कुमार की ये तस्वीर खूब बायरल हो रही है। खुशाली कुमार इस तस्वीर में प्यारी सी इंयररिंग्स पहने दिखाई दीं। खुशाली कुमार की ईयररिंग्स लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है। खुशाली कुमार इस तस्वीर में अपनी किलर अदाएँ दिखाती हुई नजर आ रही है। खुशाली कुमार की इस बायरल हो रही तस्वीर में बेहद हसीन लग रही है। खुशाली कुमार की ये तस्वीर आते ही छा गई।

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली कुमार के फिगर को देखने के बाद लोग उनके दीवाना हो गए। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। खुशाली

खुशाली कुमार बॉलूडनेस की हदें

पार कर दी। खुशाली कुमार की ये तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया। खुशाली कुमार की फिगर फ्लॉन



स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

बुधवार, 10 जनवरी, 2024 9

थुलथुला पेट पिचका देंगे ये उपाय देखते-देखते बन जाएगी फौलादी बॉडी

अगर आप एक ही समय में में परे शरीर से छुटकारा पाकर तगड़ी बांडी बनाना चाहते हैं, तो आपको डाइट के साथ-साथ नीचे बताए उपायों पर काम करना चाहिए। ध्यान रखे कि सिर्फ एक्सरसाइज से बांडी नहीं बनती, उसके साथ डाइट का ध्यान रखना जरूरी है।

थुलथुले बदन से छुटकारा पाकर तगड़ी बांडी पाना भला कौन नहीं चाहता है। आपने कभी सोचा है कि मोटापा कम करने के लिए क्या करना चाहिए? अगर

डाइट को किस तरह मैनेज करना चाहिए, और किन-किन चीजों का अधिक सेवन करना चाहिए।

अपने हट भोजन में प्रोटीन जरूर शामिल करें

अपने हर भोजन में प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों को जरूर शामिल करें। दिन भर में कई बार प्रोटीन खाना फायदेमंद है क्योंकि इससे आपके शरीर को रोज़े दिन के कामकाज के लिए एनजीं मिलती है।

प्रोटीन मसल्स ग्रोथ और रिपेयर के लिए जरूरी है। नाश्ते में सॉसेज, अंडे, बेकन और बीन्स

फैटी बीट के बजाय लीन प्रोटीन खाएं

मतलब नहीं कि

इसके लिए आप

चिकन,

मीट

आदि

खुब ब

सेवन करने

लग जाएं। इनके

बाजाय प्रोटीन वाली

कुछ हल्की चीजों जैसे मछली,

ग्रीक योगर्ट,

बीन्स,

कम वसा

वाला पनीर,

टोफ़,

मूँगफली का

मक्कन आदि का सेवन करें।

स्ट्रेंग ट्रेनिंग है जरूरी

स्ट्रेंग ट्रेनिंग फैट लॉस और

मसल्स गेन के लिए जरूरी है।

अगर संभव हो तो सप्ताह में तीन

बार फूल बॉडी वर्कआउट करने

की कशिश करें। बॉडी की सभी

वर्कआउट बेहतर तरीके से हो

पाता है, साथ ही रिकवरी में भी

हेल्प मिलती है।

बीट और बानी का रखें ध्यान

नीट की कमी मसल्स रिकवरी

और फैट लॉस पर निरोटिव

इफेक्ट्स डाल सकती है।

इसलए आपको रोजाना 7-9 घंटे की

अच्छी नींद जरूरी है। इसके

ताकि आपको अपनी

मसल्स ग्रोथ के लिए जरूरी है।

एंग-विंगे फल-सिंजियां खाएं

अपने दोपहर के खाने में अलग-

अलग रंग के फल और सिंजियों की

एक से दो सर्विंग और जोड़ने के

कोशिश करें। विभिन्न रंग के फल-

सिंजियों के सेवन से आपको भरपूर

मात्रा में फाइबर, कार्बोहाइड्रेट,

विटामिन और मिनरल्स मिल सकते

हैं, जो बजन कम करने और

करने के लिए आपको अपनी

मसल्स ग्रोथ के लिए जरूरी है।

छोटी-छोटी बात पर भी पति का पारा हो जाता है

हाई, तो रिश्ते में कड़वाहट को बढ़ने से रोकें

जाएं।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति से बात करें हुए उन्हें अपनी भावनाओं के बारे में बताएं। उन्हें समझाएं कि किस तरह से उनका गुस्सा आपके रिश्ते को खोखाना करता है। ऐसे में अपनी बात को कहने के लिए उन्हें खुशी के बारे में बताएं।

पति से उनके गुस्से के बारे में बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति से बात करें हुए उन्हें अपनी भावनाओं के बारे में बताएं। उन्हें समझाएं कि किस तरह से उनका गुस्सा आपके रिश्ते को खोखाना करता है। ऐसे में अपनी बात को कहने के लिए उन्हें खुशी के बारे में बताएं।

पति का इश्यु के बारे में बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।

अपने पति के एंग इश्यु के बारे

में उनसे खुलकर बात करें।



10 हजार देकर नकली नोट गैंग में होमगाड़स शामिल किए डील के लिए सुनसान जगह पर बुलाते, पुलिस के सामने बिजनेस मैन को लूटा

बासवाडा, 9 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस के साथ बोगस ग्राहक बनकर नकली नोट की डीलिंग के लिए गए स्पेयर पार्टस व्यापारी सुरेंद्र कलाल से 4 लाख लूट कर भागने वाले बदमाशों में 2 होमगाड़ जवान भी थे। पुलिस ने रिवर को गैंग के 5 सदस्यों को पूछताछ में चौकाने वाले खुलासे हाउ पूछताछ में सामने आया कि वे लूट की एवज में होमगाड़ के जवानों को लगाया गया था।



ऐसे देते थे डीपी की बारदात को अंजाम

एसपी अधिकारी ने बताया कि बदमाशों ने व्यापारी को असली सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक राकेश पटेल (32) की लिया था। ताकि उसे लगे कि पहचान हुई है। इसकी पुष्टि भी हुई बदमाशों के पास ऐसे नकली नोट हैं, जिन्हें आसानी से बाजार में वारदात के लिए बदल कर बदल जाता है। पूछताछ में सामने आया कि गैंग का नेटवर्क अच्युत राज्यों में भी फैला है। इन जातियों को पकड़ने के लिए 2 जिलों के 27 पुलिसकर्मियों को आसानी से इनके ज्ञासें में आ जाएं।

वे बदमाश पहले असली नोट पीड़ित को देते थे। कांफ्फिंडेस में लेने के लिए उसे नोट किसी दुकान पर चलाने को कहते थे। वे 12 लाख कम पीड़ित से बदले कम में कम 4 लाख रुपए लेकर आने को कहते थे। असली नोट से ज्ञासे में आया है कि वे बदला की खेल शुरू होता। ये लोग होमगाड़ के साथ लुटेरे भी होते थे। ये अचानक बदल आते और धमकाते कि नकली नोटों की डील में तुम्हे सालों की जेल हो सकती है। डरा-धमका पीड़ित से और रुपए-मंगवाएं जाते थे। बदल कर कोई भी पीड़ित घर चला को बदला कर नहीं देता था। पूछताछ में सामने आया है कि ये लोग डीलिंग को लेकर होमगाड़ जवानों को कोई जानकारी नहीं देते थे। वे केवल उन्हें लूट के बाद डराने के लिए कहते थे। ताकि पीड़ित से और पैसे वसुले जा सकते। पूछताछ में यह भी सामने आया कि ये लोग होमगाड़ के जवानों को एक लूट पर 10 से 12 हजार रुपए देते थे। असली नोट लेकर आया है क्या

पीएम मोदी के करीब आईएस गुप्ता संभालेंगे भजनलाल का सीएमओ गुजरात से आएंगे राजस्थान, केंद्र ने दी मंजूरी



जयपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में व्यूरोक्सी का कंटेल बटन अब सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में होगा। जयरात में मोदी से खास व्यूरोक्टे एसीएस जेपी गुप्ता अब राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सीएमओ संभालने आ रहे हैं। केंद्र सरकार ने उनकी प्रतिनियुक्ति के मंजूरी दी है और 15 जनवरी को उन्हें रिलीफ किया जा रहा है।

जेपी गुप्ता और मुख्य सचिव सुधांशु पंत एक ही बैच के आईएस अधिकारी हैं। गुप्ता फिलहाल गुरुत्व के वित्त विभाग के कमान संभाल रहे हैं। उन्हें प्रधानमंत्री का बेटा नानी के बाजार से पुणी धारी पैशन योजना को लागू करने की मांग की। नार्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइंज यूनियन के मण्डल सचिव मनोज कुमार परिहार के बताया कि पैशन नानी की अफसर माना जाता है। मूल रूप से दोसा के रहने वाले गुप्ता के राजस्थान आने के कमास पहले से ही लापा जा रहे थे। क्यास तो यह भी था कि गुप्ता को वित्त विभाग की जिम्मेदारी भी दी जा सकती है लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गुप्ता गुप्त मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का ऑफिस ही संभालेंगे।

संदेश नायक भी आ सकते हैं: जेपी गुप्ता के अलावा सीएमओ में अभी कई और आईएस अफसरों की तैनाती होनी है। इनमें संदेश नायक का नाम भी शामिल है। फिलहाल नायक राजेफँड में एमडी के पद पर काम कर रहे हैं।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर रेल कर्मचारियों का अनशन

जोधपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। एनजेसीए के आक्रमण पर रेलवे के कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना बहाली के लिए तमाम मंजूर शंगठनों के क्रामिकों के साथ क्रमिक अनशन शुरू किया। क्रमिक अनशन में 21 लोगों ने भूख छाताल में बैठकर सरकार से पुणी धारी पैशन योजना को लागू करने की मांग की। नार्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइंज यूनियन के मण्डल सचिव मनोज कुमार परिहार ने बताया कि पैशन अधिकारी है। इसमें एक लोगों ने भूख छाताल में बैठकर सरकार के लिए जारी की अधिकारी भूमिका की ओर से संशोधित विज्ञित जारी की जाएगी। नए प्रस्तावों की मिली मंजूरी से अब 7177 पदों के स्थान पर 9890 पदों पर भर्ती के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को प्रस्ताव भेजे जाएंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गंजेंद्र सिंह खींवसर ने स्वास्थ्य भवन में हुई बैठक में पदों की संख्या में बढ़ोतारी की है।

60 वर्ष की आयु तक हम कहीं पर भी किसी प्रकार कोई



अन्य कार्य नहीं कर सकते और हम इसलिए मांग करते हैं कि हम 60 वर्ष की आयु तक दिन रात मेहनत करते हुए रेलवे रेल को देने का काम कर रहे हैं। 60 वर्ष की आयु तक हम कार्य करने के लिए जारी रहता है और अधिकारी का हनन करने का काम कर रही है जिसका हम

अधिकार है। इससे हमको कोई वैचारिक नहीं कर सकता याद ऐसा कोई करता है तो भारत के मूल संविधानों के अवहनन करता है। जो कि भारत सरकार को हड़ताल करता है। जो कि भारत सरकार को हनन करने का तक अंदोलन जारी रहता है।

अन्य कार्य नहीं कर सकते और

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त के कार्य करने को शक्ति कमज़ोर हो जाती है और अथवा वह 60 वर्ष की आयु के बाद कर्मचारी भूमिका की रहती है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को हनन करने का काम कर रही है जिसका हम

अधिकार है। इससे हमको कोई

वैचारिक नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि वैचारिक नहीं कर सकता है।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

के कार्य करने का काम करते हैं।

अधिकारी को आयु के बाद व्यावर्त

14 महीने बाद टी-20 में क्यों लौटे विराट-रोहित

दोनों का टी-20 वर्ल्ड कप में खेलना तय, द्रविड़ को भी इसी वजह से मिला एक्स्टेंशन

मुंबई, 9 जनवरी (एजेंसियां)। रोहित शर्मा और विराट कोहली पिछले 14 महीनों में एक भी टी-20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेले थे। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में राह के बाद से भारतीय सिलेक्टर्स इस फॉर्मेट में युवाओं को तरजीह दे रहे थे। लेकिन अब अफगानिस्तान के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन टी-20 मैचों की सीरीज के लिए ये इन दिग्गजों की वापसी हो गई है।

लंबे अंतर से बाद इन दिग्गजों की वापसी के बाबा मायने हैं? इसी को आगे डिकोड करें।

टी-20 वर्ल्ड कप में उत्तरेगी वनडे वर्ल्ड कप की टीम

बीसीसीआई के एक सीनियर ऑफिशियल ने कहा कि बांड टी-20 वर्ल्ड कप में भी कार्यव-कारीब वही टीम उत्तरांश चाहता है जो पिछले बांडे वर्ल्ड कप में खेली थी। उन्होंने कहा, बांडे वर्ल्ड कप में भारत भले ही खिलात नहीं जीत पाया, लेकिन भारतीय टीम पूरे दूनमेंट में शानदार खेली।

भारतीय टीम का रवेचा काफी आक्रमक रहा और यह टी-20 फॉर्मेट में भी मददगार साबित हो सकता है। रोहित और विराट बांडे वर्ल्ड टीम के कोर मेंबर थे। इसी वजह से इनकी टी-20 फॉर्मेट में वापसी हुई है।

वर्ल्ड कप से पहले यही तीन टी-20 इंटरनेशनल मैच बचे

रोहित और विराट को अगर टी-20 वर्ल्ड कप की टीम में शामिल होना था तो उनको अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीमित में हर हाल में खेला जाना था। वर्ल्ड कप से पहले इस फॉर्मेट में भारत के पास यही तीन इंटरनेशनल मैच



बीसीसीआई से जुड़े सूत्र बता रहे हैं कि बांडे वर्ल्ड कप में खेले भारत के 8 से 9 खिलाड़ी अगले टी-20 वर्ल्ड कप में भी खेलने के मजबूत दावेदार हैं। इनमें रोहित और विराट के अलावा शुभमन गिल, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी शामिल हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए घोषित टीम में श्रेयस अय्यर, जडेजा, हार्दिक सूर्य, बुमराह, शमी और सिराज शामिल नहीं हैं। इनमें से ज्यादातर को वर्कलेड मैनेजर्स के तहत आगम दिया गया है। जबकि हार्दिक, सूर्य और शमी अभी चोटिल हैं।

युवा खिलाड़ियों में रिकू

तिलक और बिनोइ पर नज़रें

ऐसे खिलाड़ियों ने पिछले एक टीम की टीम का हिस्सा नहीं थे। कप की टीम का हिस्सा नहीं थे। जो बांडे वर्ल्ड कप में खेलने वाली टीम के अलावा शामिल हो सकते हैं उनमें रिकू सिंह, तिलक वर्मा, यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन, जितेश शर्मा और रवि विस्तोई जो मजबूत दावेदार हैं। जी हां, यह क्रिकेटर कोई और नहीं पड़ोसी देश याकितान के पर्याप्त स्पिनर दानिश शर्मा और रवि विस्तोई पर धमार नहीं नहीं है।

दानिश ने सिंधुर्दो में मनाए गए

अपने 50वें जन्मदिन की एक

क्रिकेट साझा करते देखे देखा

पूर्वी रूप लेग स्पिनर ने

प्रधानमंत्री ने निर्दोषी के

मुद्दे पर धमार प्राप्त है।

43 वर्षीय पूर्व लेग स्पिनर ने

अपने आधिकारिक ट्रिवटर अकाउंट

से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें

उन्होंने लिखा है लक्ष्मीप्र

द्वारा देखा जाना चाहिए।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

मोहम्मद कुमार नाम के एक

दूजर ने अपना विचार साझा करते

हुए लिखा है, 'मालदीव एक

चाइनीज कलानी है, जबकि

लक्ष्मीप्र द्वारा नया

देस्टिनेशन है।'

क्रिकेट के भावना' भी उत्तर मैदान में

दानिश कोरिया से पहले देखा

के पूर्व स्पिनर दानिश

शर्मा और रवि विस्तोई

दानिश को भावना जाहिर

करते हुए तो आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

मोहम्मद कुमार नाम के एक

दूजर ने अपना विचार साझा करते

हुए लिखा है, 'मालदीव एक

चाइनीज कलानी है, जबकि

लक्ष्मीप्र द्वारा नया

देस्टिनेशन है।'

मालदीव विवाद पर भारत को पाकिस्तान से मिला खास सपोर्ट फायर इमोजी के साथ क्रिकेटर आया सामने



इस्लामाबाद, 9 जनवरी (एजेंसियां)। पर्यटन को लेकर भारत और मालदीव के बीच चल रहे विवाद में खिलाड़ियों ने भी भारतीय दावेदार हैं।

दानिश कोरिया से पहले देखा के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर जो कि खेल जगत में 'क्रिकेट के भगवान' के रूप में मशहूर हैं, उन्होंने भी भारतीय समृद्ध तथा को बढ़ावा देने के लिए अपना समर्थन दिया है।

सचिन ने सिंधुर्दो में मनाए गए

अपने 50वें जन्मदिन की एक

क्रिकेट साझा करते देखे देखा

प्रधानमंत्री ने निर्दोषी का लक्ष्मीप्र

द्वारा देखा है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

तांडोने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर समृद्ध प्राप्त है।

उन्होंने अपनी भावना जाहिर

करते हुए आगे लिखा है कि भारत

को सुंदर

